उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

92AB 143128

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29 NOV 2012

न्यास पत्र

हम कि श्रीमती रूकमिणी राय पत्नी श्री चन्द्रदेव राय निवासी ग्राम —दुबौली, पो0—दुबौली, तहसील — बाँसगाँव, जिला — गोरखपुर (उ0प्र0) की हूँ। हम मुकिर समाज के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक विकास हेतु निरन्तर कार्य करते रहते हैं तथा हम मुकिर के मन मस्तिष्क में अपने व्यक्तिगत कार्यों के साथ—साथ राष्ट्र एवं समाज हित का चिन्तन बना रहता है। हम मुकिर की हार्दिक इच्छा है कि समाज में सुख—शान्ति, आपसी सद्भाव व विश्वास सदाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आदर्श नागरिक गुणों की स्थापना हो। समाज के साधनहीन व्यक्तियों के जीवन की मूल—भूत आवश्यकताएं, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा व आवास की व्यवस्था हो तथा शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाय। समाज के सामुदायिक विकास में परस्पर भाई—चारा, साम्प्रदायिक ताल—मेल बनाये रखने एवं समाज को शिक्षित करने में लिंग भेद, जाति—पाति, छूआ—छूत, धर्म और सम्प्रदाय, ऊँच—नीच की भावना कहीं से भी बाधक न हो। जनहित के उक्त कार्यों को संचालित करने तथा उससे लोगों को अधिकाधिक लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न विधाओं में समाज को शिक्षित किये जाने की आवश्यकता को देखते हुये, विभिन्न संस्थाओं एवं समितियों का गठन किया जाना आवश्यक पाकर इसकी सम्पूर्ण व्यवस्था के लिये हम मुकिर द्वारा एक कल्याणकारी न्यास /ट्रष्ट की स्थापना की जा रही है। हम मुकिर द्वारा अपने उक्त हार्दिक इच्छा की पूर्ति के लिये तथा इस हेतु आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के बावत रू0 11111/— (ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रूपया) का एक न्यास कोष स्थापित किया गया है और आगे भी इस कोष में विभिन्न उपायों से धन व चल—अचल सम्पत्ति की हम व्यवस्था करते रहेंगें। हम मुकिर ने अपने द्वारा स्थापित उक्त न्यास की प्रबन्ध व्यवस्था एवं प्रशासन के बावत एक न्यास पत्र को भी निष्पादित कर रहे हैं, जिसकी व्यवस्था निम्न रूपेण की जायेगी —

रूकमिणी राय

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

बीस रुपये

रु.20

Rs.20

TWENTY RUPEES

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 18AA 705855

1. यह कि हम मुकिर द्वारा स्थापित न्यास का नाम "चन्द्रदेव राय चैरिटेबुल ट्रस्ट" होगा, जिसे इस न्यास पत्र में आगे न्यास या ट्रस्ट के नाम से जाना जाएगा।
2. यह कि उक्त ट्रस्ट का प्रधान कार्यालय ग्राम–दुबौली, पो0–दुबौली, तह0–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर (उ0प्र0) में स्थित होगा। उक्त ट्रस्ट के कार्य को सुचारू रुप से सम्पादित करने तथा इसके उद्देश्यों की सुगम प्राप्ति के बावत इसके अन्य कार्यालयों की भी स्थापना की जायेगी और उनके कार्यालयों के पते पर ट्रस्ट मजकूर द्वारा गठित की जाने वाली संस्थाओं व समितियों का पंजीकरण सुसंगत अधिनियमों के अन्तर्गत कराया जा सकेगा। ट्रस्ट का कार्य क्षेत्र समस्त भारत होगा।
3. यह कि हम मुकिर ट्रस्ट मजकूर के संस्थापक व मुख्य ट्रस्टी होंगे तथा ट्रस्ट के प्रधान प्रबन्धक भी कहे जायेंगे। हम मुकिर द्वारा ट्रस्ट के संचालन व व्यवस्था के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों जो ट्रस्ट के उद्देश्यों के अनुसार ट्रस्ट के हित में ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्य करने को सहमत हैं, को ट्रस्ट का ट्रस्टी नामित करते हैं। इस प्रकार नामित व्यक्तियों को ट्रस्ट का ट्रस्टी कहा जायेगा, जिनकी कुल संख्या 3 से कम तथा 9 से अधिक नहीं होगी। ट्रस्टी का पद किसी भी दशा में लाभ का नहीं होगा और न ही इस पर किसी प्रकार का वाद विवाद किया जायेगा। भविष्य में हम मुकिर द्वारा ट्रस्ट के उद्देश्यों की सुगम प्राप्ति हेतु अन्य ट्रस्टियों को भी नामित किया जा सकेगा। हम मुकिर द्वारा नामित ट्रस्टीगण तथा मुख्य ट्रस्टी को संयुक्त रूप से न्यास मण्डल/ ट्रस्ट मण्डल कहा जायेगा। ट्रस्ट की स्थापना के समय हम मुकिर द्वारा ट्रस्टी के रूप में नामित व्यक्तियों का विवरण निम्नलिखित है–

(i) श्री विनोद कुमार राय पुत्र श्री चन्द्रदेव राय निवासी ग्राम–दुबौली, पो0–दुबौली, तह0–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर, (उ0प्र0)।

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 18AA 705860

(ii) श्री चन्द्रदेव राय पुत्र श्री गोमती राय निवासी ग्राम–दुबौली, पो०–दुबौली, तह०–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर, (उ०प्र०)।

(iii) श्रीमती अनुपमा राय पत्नी श्री विनोद कुमार राय निवासी ग्राम–दुबौली, पो०–दुबौली, तह०–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर, (उ०प्र०)।

(iv) श्वेता राय पुत्री श्री चन्द्रदेव राय निवासी ग्राम–दुबौली, पो०–दुबौली, तह०–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर, (उ०प्र०)।

(v) श्री रामकरन राय पुत्र श्री धनपत राय निवासी ग्राम–पल्हईपार, पो० भरोहिया, तह०–खजनी, जिला–गोरखपुर (उ०प्र०)।

(vi) अभिषेक राय पुत्र स्व० विपिन चन्द राय निवासी ग्राम–महुजा, पो०–महुजा, तह०–बाँसगाँव, जिला–गोरखपुर (उ०प्र०)

4. यह कि हम मुकिर द्वारा "चन्द्रदेव राय चैरिटेबुल ट्रस्ट" के नाम से जिस ट्रस्ट की स्थापना की जा रही है उसके स्थापना का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. समाज के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक विकास हेतु संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन हेतु कार्य करना। शिक्षा एवं जीवनोपयोगी ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना तथा आम जनता में चेतना जागृत कर उन्हें शिक्षित एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाना।

2. नव–युवक, नव–युवतियों व छात्र–छात्राओं को रचनात्मक दिशा देना एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिये प्राथमिक, जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल, इण्टरमीडिएट व स्नातक , स्नात्तकोत्तर स्तर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थापना करना एवं उनका संचालन करना।

UTTAR PRADESH 18AA 706221

3. वर्तमान समय में विज्ञान के जीवन में आवश्यक एवं अनिवार्य अंग होने की स्थिति को देखते हुए तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को सूचना विज्ञान एवं कम्प्यूटर तकनीक पर आधारित होने के कारण उससे सम्बन्धित ज्ञान को जिज्ञासुओं व प्रशिक्षणार्थियों को अत्याधुनिक टेक्नालाजी के माध्यम से उपलब्ध कराना।
4. समाज के सामुदायिक विकास, परस्पर भाई–चारा, साम्प्रदायिक तालमेल, राष्ट्र–भक्ति, राष्ट्रीय एकता, सरकारी सम्पत्ति के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय धरोहर की रक्षा, प्राकृतिक चीजों एवं जीवों की रक्षा, प्रकृति के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय कानून के प्रति वफादारी तथा समाज के प्रति जिम्मेदारियों के लिये युवकों तथा महिलाओं को जागरूक करना तथा उन्हें प्रशिक्षित करना। लिंग–भेद, जाति–पाति, छुआ–छूत, धर्म और सम्प्रदाय ऊँच–नीच की भावना को समाप्त करने के लिए प्रशिक्षण/जागरूकता/सर्वे/लिट्रेचर आदि की व्यवस्था करना।
5. शिक्षा प्रचार–प्रसार उन्नयन तथा देश के किसी क्षेत्र में सामान्य शिक्षा/तकनीकी, गैर–तकनीकी शिक्षा/विधि शिक्षा/शिक्षा–प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय स्थापित करना। समाज/स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए किड –केयर, नर्सरी, प्राइमरी, माध्यमिक स्कूलों तथा डिग्री एवं पी0जी0 कालेज की स्थापना करना तथा आमदनी के स्रोत हेतु विद्यालय कम्पाउण्ड में दुकान व आवास का निर्माण करना।
6. शैक्षणिक क्षेत्र में विभिन्न कक्षाओं के कमजोर विद्यार्थियों के लिये अन्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे – मेडिकल, इंजीनियरिंग, पालीटेक्निक, बैंक, पी0सी0एस0, आई0ए0एस0 में प्रवेश की तैयारी के लिये कोचिंग सेन्टरों की व्यवस्था तथा उनसे होने वाली आय से संस्था का पोषण करना।

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

बीस रुपये Rs.20

रु.20 TWENTY RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 18AA 706222

7. संस्था के प्रत्येक योजनाओं में महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान करना, उनके न मिलने की दशा में सीट पुरुषों द्वारा भरा जा सकता है।
8. अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े एवं कमजोर वर्गों के लिये स्वरोजगार योजनाओं का प्रबन्ध करना तथा उनके लिये शैक्षणिक क्षेत्र में कमजोर विद्यार्थियों के लिये अलग से कोचिंग की व्यवस्था करना।
9. युवाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिये विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक ट्रेनिंग, जैसे – सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, पेन्टिंग, स्क्रीनिंग पेन्टिंग, इलेक्ट्रानिक, वायरमैन, डीजल एवं मोटर मैकेनिक, रेडियो एवं टी०वी० ट्रेनिंग, टाइपिंग, शार्टहैण्ड, कम्प्यूटर, फाइन आर्ट, संगीत इसके अतिरिक्त फल संरक्षण कुकिंग/बेकरी एवं मशरूम उद्योग प्रशिक्षण, डाइटिंग प्रशिक्षण आदि जैसे– केन्द्रों की स्थापना /व्यवस्था तथा प्रबन्धन करना। आवश्यकतानुसार उनके लिये प्रशिक्षण कक्ष, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, छात्रावास, भोजन, वस्त्र, दवा, यातायात, खेल का मैदान जैसी सुविधाओं को उपलब्ध कराना।
10. खाद्य प्रसंस्करण जैसे– जैम, जैली, मुरब्बा, अचार, केचप तथा अन्य फल संरक्षण का प्रशिक्षण देना। युवाओं के लिये विभिन्न प्रकार के अन्य उपयोगी प्रशिक्षण जैसे– हैण्डी क्राफ्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कुकिंग, कला, निबन्ध, व्याख्यान तथा खेल–कूद आदि का आयोजन, प्रतियोगिता तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करना भी संस्था का उद्देश्य है।
11. समाज कल्याण हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं परियोजनाओं को क्रियान्वित करना जैसे– गूंगे, बहरे, अन्धों, अपंग एवं मानसिक रूप से कमजोर बच्चों, युवाओं तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग/गरीब बच्चों, निराश्रित अनाथ बच्चों एवं युवाओं के लिये विद्यालय, छात्रावास एवं भोजन, वस्त्र

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये रु.10

TEN RUPEES Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

58AB 656876

घोषणा

"चन्द्रदेव राय चैरिटेबुल ट्रस्ट" की तरफ से हम श्रीमती रूकमिणी राय मुख्य न्यासी के रूप में यह घोषित करते हैं कि उपरोक्त न्यास पत्र लिखवाकर, पढ व समझकर स्वस्थ मन व चित से बिना किसी बाहरी दबाव के सोच–समझ कर इस न्यास पत्र को निबन्धन हेतु प्रस्तुत किया है, जिससे कि इस न्यास का विधिवत गठन हो सके।

हस्ताक्षर मुख्य न्यासी

रुक्मिणी राय

हस्ताक्षर साक्षीगण

1. शिवप्रसाद राय पुत्र स्व. शम्भु राय
ग्रा०+पो०-दुबौली, जिला-गोरखपुर

2. शिवशंकर सिंह पुत्र रामरतन सिंह
सा. खोरीपुर

दिनांक 10/10/012

मजमूनकर्ता +

लेखक
अखिलेश राय एड०
दीवानी कचहरी [illegible]
दि० 10-12-12

१० ६५ ५।१२।२०१२

[illegible] पृष्ठ [illegible] दस्तावेज [illegible]

10-12-12

[illegible] 12 [illegible] 20

237/998

SUB REGISTRAR
[illegible]GAON-GORAKHPUR